

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

श्रीमती वंदना चव्हाण (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

श्री हुसैन दलवाई (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती सरोजिनी हेम्वरम (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

श्री अहमद हसन (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री शमशेर सिंह दुलो (पंजाब): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सभापति: धन्यवाद। श्री बी. लिंग्याह यादव। जावेद अली जी, आपने विषय अच्छा प्रस्तुत किया, उसको समय-सीमा में सीमित करते, तो और भी अच्छा हो जाता।

श्री जावेद अली खान: सर, 2 ही सेकेंड की बात थी।

†جناب جاوید علی خان: سر، دو ہی سیکنڈ کی بات تھی۔

श्री सभापति: आपके 2 सेकेंड के कारण ही मेन प्वाइंट रह गया।

Lack of adequate National Highways in the State of Telangana

SHRI B. LINGAIAH YADAV (Telangana): *Hon'ble Chairman Sir, I thank you for giving me this opportunity. The newly formed Telangana State is facing problems because of lack of adequate National Highways in the State. In the Andhra Pradesh Reorganization Act, it is mentioned that 3,150 kilometres of road connectivity will be improved in the State of Telangana but Central Government is not taking any measures regarding this. Sir, till date approval was given only for 1500 kms and even these approved roads are yet to receive funds. Shri K. Chandrashekar Rao, Chief Minister of

†Transliteration in Urdu Script.

* English translation of the original speech delivered in Telugu.

Telangana and Members of Parliament representing Telangana have brought this issue to the notice of the Central Minister, Shri Nitin Gadkari on various occasions. The Outer Ring Road (ORR) around Hyderabad is supposed to facilitate the people of Hyderabad but even this project is not receiving funds from the Centre.

I request the Central Government, through you Sir, to allocate funds to the roads connecting Kandi to Gajwel, Gajwel to Choutuppal, Choutuppal to Shadnagar, and Shadnagar to Kandi. Sir, the National Highway 65 connecting Hyderabad and Vijayawada that passes through Suryapet lacks sufficient flyovers and proper drainage system. In the same way National Highway 365 which connects Tirumalagiri and Suryapet suffers from lack of underpasses and drainages at Nagaram.

The newly formed State of Telangana has launched many Welfare Schemes and has become a role model in India for other States. Such a State is suffering from lack of funds. Sir, through you I request the Central Government to support the Telangana State which is implementing various welfare schemes such as Free Electricity, Mission Bhagiratha, Mission Kakatiya, Rythu Bandhu and Loan Waiver. Thank you Sir.

DR. BANDA PRAKASH (TELANGANA): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need for new law in view of frequent building collapses in the country

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं जो विषय उठाने जा रही हूँ, वह आम आदमी से संबंधित है और इसमें जानमाल की जो क्षति हो रही है, उससे भी संबंधित है। आज हम अखबारों में पढ़ते हैं और टीवी चैनलों पर भी देखते हैं कि इस इमारत के गिरने से इतने लोग मर गए और उस इमारत के गिरने से इतने लोग घायल हो गए, फिर वह इमारत चाहे मुम्बई में गिरे, हिमाचल प्रदेश में गिरे या देश के किसी अन्य भाग में। विगत दिनों में हमने पाया है कि मुम्बई, हिमाचल प्रदेश, पूना और राजस्थान में इमारतें गिरीं और उनमें लोगों की मृत्यु हुई। दिल्ली में इमारतों में आग लगने से नुकसान हो रहा है और लोग मर रहे हैं।

महोदय, यह एक बहुत ही सीरियस मामला होता जा रहा है, इसलिए मैं इस विषय की ओर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहती हूँ। मैं कहना चाहती हूँ कि जैसे रीयल एस्टेट में काम करने वाले बिल्डर्स के लिए कानून बनाए गए हैं, वैसे ही नई बिल्डिंग बनाने अथवा उसके मॉडल के लिए कुछ ऐसे प्रावधान रखने चाहिए, जिससे उन बिल्डिंगों का नुकसान न हो और उनमें लोगों की मृत्यु न हो।